भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **4194** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024/29 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

2047 तक मेगा पोर्ट

†4194. श्री मलैयारासन डी. :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2047 तक भारतीय पत्तनों को मेगा पोर्ट बनाने के लिए तैयार की गई योजना का ब्यौरा क्या है और उक्त परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इस प्रयोजनार्थ तमिलनाडु सहित देश भर में राज्य / संघ राज्य क्षेत्र - वार कितनी धनराशि स्वीकृत, आबंटित और उपयोग की गई; और

(ग) क्या सरकार ने उक्त योजना प्राप्त करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): जी हां। छह पत्तन कलस्टरों (समूहों) में से चार पत्तन कलस्टरों अर्थात् कोचीन- विझिंजम- पत्तन कलस्टर, गलाथिया साउथ बे पत्तन, चैन्ने – कामराजार- कुड्डालोर पत्तन कलस्टर, पारादीप और अन्य गैर- महापत्तन कलस्टर, जिनकी क्षमता 300 मिलियन टन (एमटीपीए) प्रतिवर्ष से अधिक है तथा दो पत्तन कलस्टर अर्थात् दीनदयाल और टूनाटेकरा पत्तन कलस्टर, जवाहरलाल नेहरू- वधावन पत्तन कलस्टर जिसकी क्षमता 500 एमटीपीए से अधिक है, को वर्ष 2047 तक मेगा पत्तनों के रूप में विकसित किया जाना है। क्षमता संवर्धन तथा अवसंरना को सुधारने के लिए महापत्तनों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को मैरीटाइम अमृत काल विज़न, 2047 में शामिल किया गया है। सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) माध्यम द्वारा तथा आंतरिक संसाधनों के माध्यम से भी महापत्तनों में बढ़ी हुई अवसंरचना तथा क्षमता संवर्धन के लिए कार्य पहले से ही किया जा रहा है।

*****